सफ़लता की कहानियां

राजस्थान स्कूल नेतृत्व अकादमी, (आरएसएलए), जयपुर

राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीमेट), राजस्थान

जीर्ण-शीर्ण विद्यालय से आदर्श विद्यालय तक परिवर्तन की अद्भुत कहानी

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नोताड़ा भोपत, जिला बूंदी कभी जर्जर भवनों, नीची व असुरक्षित चारदीवारी, टपकती छतों, कमजोर पेयजल व्यवस्था, हरियाली के अभाव और विद्यार्थियों की अनियमितता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था। इन मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण न केवल विद्यालय का भौतिक वातावरण प्रभावित हो रहा था, बल्कि विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा भी धीरे-धीरे कम हो गया था, जिसके परिणामस्वरूप विद्यालय का नामांकन घटकर मात्र 150 रह गया था।

ऐसे कठिन समय में प्रधानाचार्य ने कार्यभार संभालते ही विद्यालय को पुनर्जीवित करने का दृढ़ संकल्प लिया। उन्होंने सबसे पहले SDMC, शिक्षकों, अभिभावकों और स्थानीय भामाशाहों के साथ नियमित संवाद और बैठकों का आयोजन कर सामूहिक सहभागिता का वातावरण बनाया। सरकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए विद्यालय की वास्तविक जरूरतों को समुदाय के सामने रखा गया और व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस सामूहिक प्रयास से जर्जर भवनों की मरम्मत और नवनिर्माण कार्य हुए, चारदीवारी को सुरक्षित ऊँचाई तक बढ़ाया गया तथा कक्षा-कक्षों का रंग-रोगन, प्रकाश व्यवस्था और सौंदर्यीकरण कराया गया। विद्यालय परिसर में 1000 से अधिक पौधों का वृक्षारोपण कर हराभरा और आकर्षक गार्डन विकसित किया गया, जिससे पर्यावरणीय चेतना भी बढ़ी। साथ ही, विद्यार्थियों की नियमितता सुनिश्चित करने के लिए घर-घर संपर्क, प्रेरक संवाद और अभिभावकों के साथ निरंतर समन्वय किया गया। पुस्तकालय और प्रार्थना स्थल को भी सुदृढ़ व प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया गया।

इन समन्वित और सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप विद्यालय का वातावरण सुरक्षित, स्वच्छ और सीखने के अनुकूल बना, विद्यार्थियों की उपस्थिति, अनुशासन और परीक्षा परिणामों में उल्लेखनीय सुधार हुआ और नामांकन 150 से बढ़कर 550 तक पहुँच गया। यह परिवर्तन यात्रा इस तथ्य को सशक्त रूप से रेखांकित करती है कि दूरदर्शी नेतृत्व, सामुदायिक सहभागिता और टीमवर्क मिलकर किसी भी विद्यालय को जर्जर अवस्था से एक आदर्श और प्रेरक मॉडल में रूपांतरित कर सकते हैं।